SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

CS (Main) Exam, 2021

HXS-B-PHLY

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन घंटे**	अधिकतम अंक : **250**
Time Allowed : ***Three*** *Hours*	*Maximum Marks :* **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

SPM IAS ACADEMY SHAPING BRILLIANCE

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are ***EIGHT*** *questions divided in* ***TWO SECTIONS*** *and printed both in* ***HINDI*** *and in* ***ENGLISH****.*

Candidate has to attempt ***FIVE*** *questions in all.*

Questions no. ***1*** *and* ***5*** *are compulsory and out of the remaining, any* ***THREE*** *are to be attempted choosing at least* ***ONE*** *question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

खण्ड A

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) आर. नोज़िक द्वारा प्रतिपादित न्याय के वितरणात्मक सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Discuss critically the distributive theory of justice as propounded by R. Nozick. *10*

(b) रूसो किस प्रकार प्राकृतिक एवं कृत्रिम असमानता में भेद करते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

How does Rousseau distinguish between natural and artificial inequality ? Explain. *10*

(c) क्या ऑस्टिन का संप्रभुता का सिद्धान्त प्रजातंत्र के साथ संगत है ? विवेचना कीजिए ।

Is Austin's theory of sovereignty compatible with democracy ? Discuss. *10*

(d) क्या राजतंत्र, शासन की एक व्यवस्था के रूप में वैयक्तिक स्वतंत्रता के लिए स्थान प्रदान करता है ? व्याख्या कीजिए ।

Does monarchy as a form of government leave room for individual freedom ? Explain. *10*

(e) भूमि एवं सम्पत्ति के अधिकार किस प्रकार महिला सशक्तिकरण में प्रभावी हो सकते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

How far can land and property rights be effective in empowerment of women ? Explain. *10*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q2. (a) क्या अमर्त्य सेन की न्याय की अवधारणा रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त का एक परिष्कृत रूप है ? विवेचना कीजिए ।

Discuss whether Amartya Sen's idea of justice is an improvement upon Rawl's theory of justice. *20*

(b) दण्ड के सुधारात्मक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और विवेचना कीजिए कि क्या यह मानवीय गरिमा के साथ सुसंगत है ।

Explain the reformative theory of punishment and discuss whether this is in tune with human dignity. *15*

(c) क्या मानववाद धर्म का स्थानापन्न हो सकता है ? वर्तमान भारतीय समाज के प्रसंग में इसकी व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Can humanism be a substitute for religion ? Explain and evaluate in the context of the present Indian society. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q3. (a) एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में अराजकतावाद की विवेचना कीजिए । क्या इससे राजनीतिक सत्ता का पूर्णत: निराकरण सम्भव है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

Discuss anarchism as a political ideology. Is it possible to dispense with political authority completely ? Give reasons for your answer. *20*

(b) गाँधी के समाजवाद की मुख्य विशेषताओं और इसकी समकालीन प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए ।

Discuss the distinctive features of Gandhian Socialism and its contemporary relevance. *15*

(c) संप्रभुता की अवधारणा के सम्बन्ध में कौटिल्य के योगदान की विवेचना कीजिए । क्या यह प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था में प्रयोज्य है ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss Kautilya's contribution regarding the concept of sovereignty. Is it applicable in a democratic form of government ? Explain. *15*

Q4. (a) भारतीय समाज में जाति-भेद से सम्बन्धित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों की विवेचना कीजिए । इसके निराकरण के लिए उनके द्वारा सुझाए गए उपाय क्या हैं ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss the views of Dr. B.R. Ambedkar regarding caste-discrimination in Indian society. What are the measures suggested by him for its elimination ? Explain. *20*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

(b) भारत में महिला भ्रूणहत्या के मुख्य कारण क्या हैं ? क्या यह केवल प्रौद्योगिकी के आसुरी प्रयोग का परिणाम है ? विवेचना कीजिए ।

What are the main causes of female foeticide in India ? Is it the result of demonic application of technology only ? Discuss. *15*

(c) क्या सामाजिक संविदा का सिद्धान्त मानवीय अधिकारों के विभिन्न मुद्दों को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करता है ? मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate whether the social contract theory adequately addresses the different issues of human rights. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

खण्ड B

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) न्याय दर्शन द्वारा प्रतिपादित ईश्वर के स्वरूप की विवेचना कीजिए ।

Discuss the nature of God as propounded in Nyāya philosophy. *10*

(b) धार्मिक बहुलवाद के प्रसंग में परम सत्य की संभावना की विवेचना कीजिए ।

Discuss the possibility of Absolute Truth in the context of religious pluralism. *10*

(c) क्या बहुधर्मी समाज में धार्मिक स्वतंत्रता संभव है ? व्याख्या कीजिए ।

Is religious freedom possible in a multireligious society ? Explain. *10*

(d) क्या ईश्वर में विश्वास के बिना धार्मिक जीवन संभव है ? विवेचना कीजिए ।

Is religious life possible without the belief in God ? Discuss. *10*

(e) अशुभ के अस्तित्व के सन्दर्भ में ईश्वर की सर्वशक्तिमत्ता के विरोधाभास की विवेचना कीजिए ।

Discuss the paradox of omnipotence of God in the context of the existence of evil. *10*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q6. (a) हिन्दू परम्परा के विशेष सन्दर्भ में आत्मा की अमरता की अवधारणा की विवेचना कीजिए ।

Discuss the concept of immortality of soul with special reference to Hindu tradition. *20*

(b) अद्वैत वेदान्त के अनुसार मोक्ष की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । मोक्ष की प्राप्ति में ज्ञान की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

Elucidate the concept of liberation according to Advaita Vedānta. Explain the role of knowledge in the attainment of liberation. *15*

(c) क्या आप समझते हैं कि धर्म और नैतिकता अवियोज्य हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

Do you consider that religion and morality are inseparable ? Give reasons for your answer. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q7. (a) धर्म में तर्क एवं आस्था की भूमिका की विवेचना कीजिए । क्या तर्क धार्मिक विश्वासों के प्रतिपादन में नियामक तत्त्व हो सकता है ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss the role of reason and faith in religion. Can reason be a regulative force in the formulation of religious beliefs ? Explain. *20*

(b) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए नैतिक तर्क का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Give a critical account of moral argument to prove the existence of God. *15*

(c) वेदान्ती परम्परा के आलोक में धार्मिक अनुभूति की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain the concept of religious experience in the light of Vedāntic tradition. *15*

Q8. (a) धार्मिक भाषा सम्बन्धी असंज्ञानात्मक सिद्धान्त क्या है ? आर.बी. ब्रेथवेट के विचारों के आलोक में आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

What is non-cognitive theory of religious language ? Explain critically in the light of R.B. Braithwaite's views. *20*

(b) हिन्दू धर्म की एक आवश्यक पूर्व-मान्यता के रूप में कर्म के सिद्धान्त की विवेचना एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Discuss and evaluate the doctrine of Karma as an essential postulate of Hinduism. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

(c) पॉल टिलिच के विशेष सन्दर्भ में धार्मिक भाषा के प्रतीकात्मक स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the symbolic nature of religious language with special reference to Paul Tillich. *15*